एन.एस.एस. दिवस

अग्रवाल महाविद्यालय, बल्लबगढ़ में दिनांक 05–10–2016 को संभाग प्रथम के सभागार में एन.एस.एस. विभाग के तत्वावधान मे एन.एस.एस. दिवस का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप मे महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक के एन.एस.एस. संयोजक माननीय डॉ0 रणवीर गुलिया जी तथा विशिष्ठ अतिथि के रुप में श्री एस.एल. मीना (डिप्टी सेक्रेटरी मिन्स्ट्री ऑफ यूथ अफेयर ऑफ स्पोटर्स भारत सरकार) उपस्थित हुए. यह कार्यक्रम महाविद्यालय प्राचार्य डॉ0 कृष्णकान्त गुप्ता (जिला संयोजक एन.एस.एस.) के कुशल नेतृत्व में हुआ.

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि के द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीपशिखा प्रज्ज्वलित करने के साथ हुआ. इस कार्यक्रम के दौरान नारा लेखन (स्लोगन), पोस्टर मेकिंग और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इस प्रतियोगिता में गुड़गाँव, पलवल, फरीदाबाद के विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा को दर्शाया. यह कार्यक्रम तीनों इकाइयों के कार्यक्रमाधिकारी श्री रविन्द्र जैन, श्रीमती रितु, और श्रीमती रेखा सैन के संरक्षण में हुआ. नारा लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान निकिता, द्वितीय स्थान हेमलता और तृतीय स्थान दीपमाला ने और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सोनाली, द्वितीय स्थान प्रतीक्षा व तृतीय स्थान राहुल रहें.

कार्यक्रम में सशक्त समाज का पुनःनिर्माण, सामाजिक बुराईयाँ आदि के बारे में बताया. कार्यक्रम के विशिष्ठ अतिथि माननीय श्री एस.एल. मीना जी ने अपने वक्तव्य में बताया कि एन.एस.एस. के अन्तर्गत भारत सरकार के द्वारा युवाओं के सम्पूर्ण विकास के लिए विभिन्न योजनाओं से अवगत कराया जैसे युथ एक्सचेन्ज पोग्राम, आई.जी. अवार्डस आदि.. कार्यक्रम में आयोजित सभी गतिविधियों के विजेताओं को माननीय मुख्य अतिथि महोदय व कार्यक्रमाधिकारियों के द्वारा पुरस्कृत किया गया.

एन.एस.एस. के संयोजक गुलिया जी ने कहा कि सकारात्मक विचारों के साथ अपना कार्य करें. सफलता व सकारात्मक सोच इत्यादि शब्दों के साथ स्वयंसेवकों को प्रेरित किया. प्राचार्य महोदय ने एन.एस.एस. के माध्यम से अपने व्यक्तित्व के विकास के लिए प्रोत्साहित किया डॉ0 रेखा सैन ने पी.पी.टी. के माध्यम से एन.एस.एस. की गतिविधियों से अवगत कराया. और श्रीमती रितु ने धन्यवाद ज्ञापन किया. इस अवसर पर एन.एस.एस. स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविका हेमन्त मैंहदीरत्ता, अश्विन, कीर्ति, नेहा, दीपिका, केशव, रविन्द्र, करन वाफना, शंशाक, जतिन, ध्रुव आदि उपस्थित थे.